

Training cum Technology Demonstration Meet at KVK, Buxar and ICAR RCER Patna under National Campaign on Farm Mechanization [28 March-04 April, 2022]

28-29th March, Buxar (Bihar)

30th March, Patna (Bihar)

Training cum Technology Demonstration Meet at KVK, Buxar was organized under **National Campaign on Farm Mechanization** [28 March-04 April, 2022]. The activities were carried out under the aegis of **CRP on Farm Mechanization & Precision Farming** project.

On 28th March 2022, 31 farmers from *Gagoura* and *Balapur* villages, and on 29th March . 27 farmers from *Romobariya* village participated in the activity. Dr. Prem K Sundaram, Scientist (ICAR RCER, Patna) gave a first hand glimpse of various straw management machines like *straw baler, happy seeder. They were also informed about super seeder, SMS Combine harvester, straw chopper, mulcher etc.*

Dr. Ramkewal (KVK Buxar) appraised the farmers about other useful machines available with them like zero seed cum fertilizer drill, disc plough, potato planter, potato digger, multi crop planter. Sh. Manoj Kumar Sinha,

Sr. Technical Assistant (ICAR RCER Patna) helped in demonstrating different machines in the field.

Farmers were encouraged to form Self Help Group and take benefit of subsidy provided by state Government on various straw management machines. They were also advised to take advantage of Custom Hiring Center operated at KVK, Buxar.

On 30th March about 50 farmers from *Hinduni* Village, phulwari sharif Block, Patna district visited ICAR RCER, Patna. Dr. Bikash Sarkar, Pr. Scientist &PI (ICAR RCER Patna) demonstrated different machines available at the farm. Farmers also visited Farm Machinery Resource Centre where small and manual tools are showcased.

Training cum Technology Demonstration Meet

Venue: KVK Buxar, 28-29 March 2022



Training cum Technology Demonstration Meet

Venue: KVK Buxar, 28-29 March 2022



Training cum Technology Demonstration Meet

Venue: ICAR RCER Patna, 30 March 2022



Training cum Technology Demonstration Meet

Venue: ICAR RCER Patna, 30 March 2022



वैज्ञानिकों ने यंत्रों से फसल अवशेष प्रबंधन की दी जानकारी



कृषि विज्ञान केंद्र में फसल अवशेष प्रबंधन पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में शामिल किसान। •हिन्दुस्तान 29.03.2022

बक्सर, हिन्दुस्तान संवाददाता। कृषि विज्ञान केंद्र, लालगंज में सीआरजी ऑन फार्म मेकेनाइजेशन एवं प्री सीज़न फॉर्मिंग परियोजना के तहत सोमवार को कृषि यांत्रिकीकरण द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर जागरुकता सह प्रशिक्षण प्रसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

केविके के विशेषज्ञ रामकेवल ने बताया कि जागरुकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य गेहूं फसल की कटनी के बाद फसल अवशेष को जलाए बिना प्रबंधन के विभिन्न उपाय एवं उपयोग में आने वाली मशीनों के कार्य, क्षमता एवं उपयोगिता को बताकर किसानों को जागरुक करना है। इससे फसल अवशेष का प्रबंधन समुचित ढंग से किया जा सके।

चलाया जा रहा राष्ट्रीय अभियान: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिसर के वैज्ञानिक डॉ. प्रेम कुमार सुंदरम ने बताया कि फार्म यांत्रिकीकरण के लिए राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है। कृषि में यांत्रिकीकरण का अधिक से अधिक प्रयोग कर कम समय में तथा कम

31 किसानों ने लिया हिस्सा

इस परियोजना के सह प्रधान अन्वेषक रामकेवल ने कहा कि प्रशिक्षण व कृषि यांत्रिकीकरण के राष्ट्रीय अभियान में बक्सर प्रखंड के बालापुर तथा गोमोरा के जय प्रकाश यादव, संतोष ओझा, शिवजी दुबे, बच्चनजी दुबे, चंद्रमा यादव, पवन कुमार यादव, संजीत कुमार, सुनील यादव, हरेंद्र यादव समेत इकतीस किसानों ने हिस्सा लिया। इन किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन में उपयोग में आने वाले यंत्र स्ट्रावेलेर, हैप्पी सीडर, मल्लर, स्ट्रा चोपर, एसएमएस युक्त कम्बाइन हार्वेस्टर आदि यंत्रों के संचालन के बारे में जानकारी दी गई।

लागत में फसल अवशेष प्रबंधन कर पराली की समस्या से निजात पाया जा सकता है।

उन्होंने इसके लिए किसानों को कस्टम हॉयरिंग सेंटर से अधिक से अधिक लाभ लेने बात कही। पटना आईसीएआर के चरीय तकनीकी अधिकारी मनोज कुमार सिन्हा ने सभी कृषि यंत्रों का संचालन एवं रख रखाव के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

उसको नशा और बाजारू खाना से

कृषि यंत्रों को चलाने की दी गयी ट्रेनिंग

संवाददाता, बक्सर 29.03.22

कृषि विज्ञान केंद्र लालगंज बक्सर में सीआरपी ऑन फॉर्म मैकेनाइजेशन एवं प्रीसीजन फार्मिंग परियोजना अंतर्गत कृषि यांत्रिकरण की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर जागरूकता सह प्रशिक्षण प्रसार कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गेहूं की कटनी के बाद फसल अवशेष को बिना जलाये बिना प्रबंधन के विभिन्न उपाय एवं उपयोग में आने वाली मशीनों के कार्य क्षमता एवं उपयोगिता को बता कर किसानों को जागरूक करना है। जिससे फसल अवशेष का प्रबंधन समुचित ढंग से किया जा सके। इस प्रशिक्षण के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना से आये वैज्ञानिक डॉ प्रेम कुमार सुंदरम ने बताया कि फार्म



किसानों को प्रशिक्षण देते कृषि वैज्ञानिक

यांत्रिकरण के लिए राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है।

जिससे कृषि में यांत्रिकरण का अधिक से अधिक प्रयोग कर कम समय में तथा कम लागत में फसल अवशेष प्रबंधन कर पराली की समस्या से निजात पाया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए किसानों को कस्टम हायरिंग सेंटर (कृषि यंत्रों के लिए)

द्वारा अधिक से अधिक लाभ लेने की बात कही। पटना आईसीएआर से आये वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी मनोज कुमार सिन्हा ने बताया कि सभी कृषि यंत्रों का संचालन एवं रख रखाव के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस परियोजना के सह प्रधान अन्वेषक रामकेवल ने बताया कि इस प्रशिक्षण एवं कृषि यंत्रिकरण के राष्ट्रीय

अभियान में बक्सर सदर प्रखण्ड के वालापुर के 8, गंगौर के 23 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वालापुर के जयप्रकाश यादव, संतोष ओझा, शिवजी दूवे, बच्चन जी दूवे, तथा गंगौर के चंद्रमा यादव, पवन कुमार यादव, संजीत कुमार, सुनील यादव, हरेन्द्र यादव, पवन कुमार यादव समेत 31 किसानों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उपयुक्त कृषि यंत्र स्ट्रॉवेयर, हैप्पी सीडर, मल्चर, स्ट्रॉ-चोपर, एसएमएस युक्त कम्बाइन हार्वेस्टर समेत अन्य विषय में विस्तृत जानकारी के साथ ही रख रखाव एवं संचालन के तौर तरीके बताये गये।

इस मौके पर कार्यक्रम के सहयोगी के रूप में केंद्र के आरिफ परवेज, अरविंद कुमार, संतोष कुमार, राजेश कुमार शामिल रहे।